

ances no cadre review has taken place till this date, I request the Government that immediate cadre review be ordered for the IEs officers. Besides that, there should be a time-bound promotional pay-scale' pattern which is there in the case of other class I services. Also, the officers who were recruited in the 1973 batch have not yet been confirmed as permanent employees. The same may also be done. Thank you, Six.

**REFERENCE TO THE EXPLOSION  
INSIDE HANSALAYA BUILDING  
ON BARAKHAMBHA ROAD,  
NEW DELHI AND ATMOSPHERE OF  
INSECURITY IN THE COUNTRY**

श्री शरद यादव (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, यहाँ से ठीक तीन किलोमीटर दूर हंसालय नाम की जो एक बड़ी बिल्डिंग है उसमें कल शाम को आठ बजे एक बम का एकस्फ्लोजन हुआ। साढ़े आठ बजे के करीब वहीं पास में एक बारखम्भा पर जाना है मैंने उससे इसके बारे में पूछा, क्योंकि पास ही एक टैक्सी स्टण्ड है वहाँ से उसका ड्राइवर दौड़ता हुआ आया और कहने लगा कि साथ ही की बिल्डिंग में एक बम फूट गया है। इस पर मैंने उसके बारे में याने में फोन किया और पूछा कि कहीं पर बम फूटा है और वह कैसे फूटा है इसके बारे में बताइये? साढ़े आठ बजे के करीब जो वहाँ इग्रेटी पर आदमी था उसने कहा कि इस तरह का कोई काम नहीं हुआ है। श्रीमन्, मेरा यह कहना है कि पूरे देश में इस समय जो हालत है यानी असुरक्षा की हालत वह इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि उसका कहना ही क्या और उसके साथ जो दिल्ली है उसमें रोज कोई न कोई बम डकैती, कहीं बम फूटता है, कहीं पर दंगे होते हैं तथा जिस दिन दंगा चल रहा था कि वहाँ मुक्तसर में लोग मार दिये गये तो मैंने देखा कि उसके फोटो छपे थे सारे अखबारों में, मैंने देखा कि मां अपने बच्चों को लेकर यहाँ के वहाँ दौड़ती हुई दिखाई पड़ रही थीं और वकिंग विमैन अपने बच्चों को दौड़ करके लेने के लिये जा रही थीं। मेरे कहने

का मतलब यह है कि पूरे देश में आशंका इतनी अधिक बढ़ गई है कि ऐसा लगता है कि देश में गवर्नमेंट नाम की कोई चीज नहीं बची है। देश में जाति के नाम पर सेना बन रही है धर्म और मजहब के नाम पर सेना बन रही है। कहीं शिव सेना बन गई, वहीं खालसा सेना बन गई है और वहाँ कोई सेना बन गई है।

MR. CHAIRMAN: Mr. Yadav, I gave you special permission to raise this matter...

श्री शरद यादव : श्रीमन्, मैं यही कहना चाहता हूँ।... (व्यवधान)

श्री सत्यपाल सलिक (उत्तर प्रदेश) : आपको मालूम होना चाहिये वहाँ पाँच मिनट के अन्दर फौस पहुँच गई थी।

श्री शरद यादव : मैं वही कहना चाहता हूँ। अभी होम मिनिस्टर साहब का ध्यान हो रहा था। उन्होंने कहा कि इतनी यह पुलिस बढ़ गयी है, इतना इंजाम बढ़ गया है। पूरे देश का इंजाम तो जैसा है। वैसा ही है, लेकिन दिल्ली में बेल इन्विपड साइंटिफिक इस्टूट बड़े हैं पुलिस फोर्स बढ़ी है, वहीं बढ़ है और यह सब बढ़ जाने पर भी पुलिस पर जनता को विश्वास नहीं है। लोगों में आशंका बढ़ती जा रही है, असुरक्षा बढ़ती जा रही है और जनता का सहयोग घटता जा रहा है। सब तरह का जो सरकारी तन्त्र है, चाहे जासूसी का हो या इंटेलेजेन्स का हो, सब फेल होता जा रहा है और इस फेल होने के कारण पूरे देश की जनता में एक भय व्याप्त है, शंका व्याप्त है यानी सरकार का जो फर्ज है, सरकार की जो ड्यूटी है वह ऐसा लगता है कि कॉलेप्स हो गई है। इसलिसे महोदय मैं चाहता हूँ कि यह जो बम फूटा है, इस पर माननीय होम मिनिस्टर साहब का बयान होना चाहिये और इस पर छोटी सी बहस भी करनी चाहिये। यही मेरा कहना है। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN; This is exactly what I wanted you to say.

**श्री शरद वादव :** सर, पूरी बहस होनी चाहिये ।

# REFERENCE TO THE HARDSHIPS OF FISHERMEN DUE TO HEAVY SAND AT THE KASIMOD FISHING HARBOUR

PROF. B. RAMACHANDRA RAO (Andhra Pradesh): Mr. Chairman, Sir, I wish to bring to your notice that the Kasimod Fishing Harbour in the Madras Port has been silted, and it has blocked the passage. I know the Government has already been showing great concern about providing facilities to the traditional fishermen and the mechanised-boat owners.

I would like to draw the attention of this House through you to the Shipping Minister that he should take special care to see that the entrance to the Fishing Harbour is continuously monitored and that no obstruction is caused to the fishing activity. I would also like to mention that if this had happened in the main port, we would have incurred colossal losses. This particular blocking of the Fishing Harbour has caused considerable hardship to the fishermen and the mechanised-boat owners. I would like to suggest that a scientific study should be conducted and no further recurrence of such blockage of the Fishing Harbour be allowed to occur in future.

(Mr. Deputy Chairman in the Chair).

# REFERENCE TO THE REPORTED DANGER TO UDAIPUR REGION DUE TO OBNOXIOUS ODOUR AROUND PESTICIDE PLANT

**श्री धनेश्वर मोणा (राजस्थान) :**  
श्रीमन् उपसभापति महोदय, मैं इस

स्पेशल मेशन के द्वारा आपकी माफत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जो इस प्रखबार में उपा है —

"Pesticide and Zinc Smelter Unity may turn Udaipur into mini Bhopal."

श्रीमन् इस न्यूज से उदयपुर के आसपास की जनता में एक भय फैला हुआ है । यह स्टेट इन्स्टीट्यूशन आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ने एक सर्वे किया और उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उदयपुर के पास में जिक स्मेल्टर यूनिट और पेस्टीसाइड इंडिया लिमिटेड हैं जो शहर के हाट में है और उससे निकलने वाला धूँआं जो है वह पाँच-छह किलोमीटर के एरिए के लोगों को प्रभावित करता है । इससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है । आप देखिए ; जब उदयपुर के अंदर ट्रेन में बैठे पैसेंजर आते हैं तो ट्रेन में बैठे इन लोगों का सांस लेना मुश्किल हो जाता है इतनी भारी बदबू उस पेस्टीसाइड से आती है । तो मेरा निवेदन है कि इस संबंध में वहाँ की जनता ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया । इस प्रखबार में एक बात यह लिखी है—

"The people constantly brought it to the notice of the Government several times, but the authorities are perhaps waiting for some major accident".

"The State administration has turned a blind eye to it."

श्रीमन् इस प्रकार की घटना पहले हम भोपाल में देख चुके हैं । उदयपुर में भी उसी प्रकार की कोई घटना न हो ; उसके लिए मैं आपकी माफत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि इस ओर ज़ीन कदम उठाए जाएं । वैसे इस संबंध में कई एक लोगों ने पहले लिखा है कि यह जॉ सिटी में सिटी के